SelectionWay
HISTORY
CONSTITUTION SROLL
WELCOME TO
SelectionWay GS
YouTube Channel
Subscribe now for complete GS preparation
Daily classes, PYQs & exam-oriented content
Join our Telegram Channel for PDFs, updates & free resources
With you always in your preparation journey
— Shubham Gupta Sir

# सबसे ज़्यादा Free Content देने वाला App

## क्या है खास इस App में ?

- Free + Paid Batches
- Live Tests & Full-Length Mock Tests
- Last 5 Years PYQs – PYQs - बिल्कुल Free
- Chapter-wise Smart Practice
- Daily Quiz for Consistency
- E-books & Notes PDFs Included
- Daily Current Affairs Updates
- Monthly Magazine (Exam Focused)

Created by:
**Gagan Pratap Sir**

DOWNLOAD NOW FROM PLAYSTORE

Google Play

अभी प्ले स्टोर से डाउनलोड करें

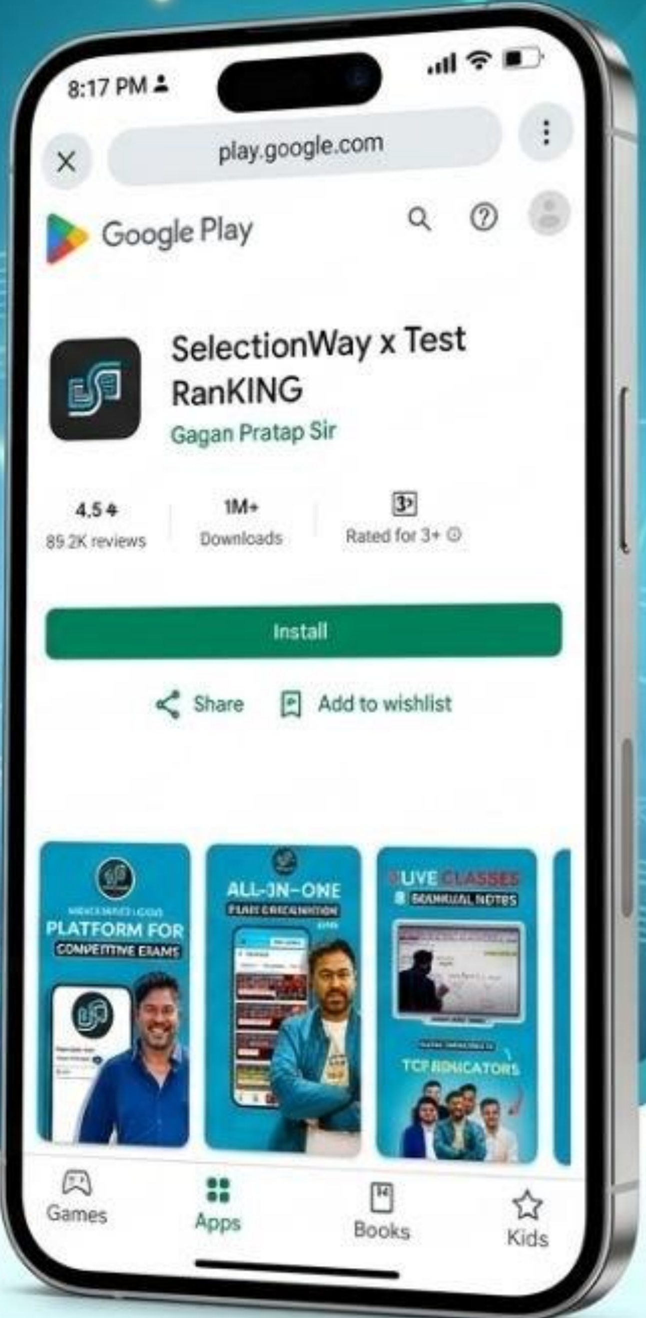

# 1857 की महान क्रांति
# The Great Revolution of 1857

4) क्रांति का प्रसार (Spread of Revolution)

3) 1857 की क्रांति : आरंभ (The Revolution of 1857 : The Beginning)

2) प्रमुख कारण (Major Causes)

1) सामान्य परिचय (Introduction)

5) 1857 की क्रांति : परिणाम (The Revolution of 1857 : Consequences)

6) क्रांति की प्रकृति (The Nature of Revolution)

7) असफलता के कारण (Reasons for failure)

8) अन्य तथ्य (Other facts)

# 1) 1857 : प्रथम स्वतंत्रता संग्राम (1857 : The First War of)

1) **10 मई 1857 :** क्रांति की शुरुआत (10 May 1857 : Commencement of the Revolution)

2) **तात्कालिक कारण :-** सेना में चर्बी वाले कारतूस का प्रयोग (Immediate Cause :- Use of greased cartridges in the army)

3) **12 मई 1857 :-** दिल्ली पर अधिकार (12 May 1857 :- Capture of Delhi)

- बहादुर शाह जफर को नेतृत्वकर्ता (Bahadur Shah Zafar as the Leader)
- सेनानायक - जनरल बख्त खां + कर्नल रिप्ले की हत्या (Military Commander - General Bakht Khan + Assassination of Colonel Ripley)

- **ब्रिटेन प्रधानमंत्री :- पामस्टर्न (British Prime Minister : Palmerston)**
- **ब्रिटेन की महारानी :- विक्टोरिया (Queen of Britain : Victoria)**
- **गवर्नर जनरल :- कैनिंग (Governor General: Canning)**
- **मुख्य सेनापति :- जॉर्ज एनिसन (Commander-in-Chief: George Anson)**
- **भारतीय सम्राट :- बहादुरशाह जफर (द्वितीय) (Indian Emperor: Bahadur Shah Zafar (II)**
- **प्रतीक :- कमल और रोटी (Symbols: Lotus and Bread)**
- **परिषद :- बख्त खां (बरेली) - 1859 में मृत्यु (Council: Bakht Khan (Bareilly) - demise in 1859)**
- **अंग्रेजी आपातकालीन मुख्यालय :- इलाहाबाद (British Emergency Headquarters: Allahabad)**

4) **20 सितंबर 1857 :-** हेनरी बर्नार्ड, विल्सन व जॉन निकलसन (मृत्यु) द्वारा दिल्ली पर पुनः अधिकार (20 September 1857 :- Recapture of Delhi by Henry Bernard, Wilson, and John Nicholson (deceased)

- **बहादुर शाह + जीनतमहल :-** बर्मा **(7 नवंबर 1862 को मृत्यु) / Bahadur Shah + Zinat Mahal: Burma (demise on 7 November 1862)**
- जफर के दो बेटों को **लाल किले पर गोली मारी (हडसन द्वार) / Zafar's two sons were shot at the Red Fort (by Hodson)**

5) **मिर्जा गालिब (Mirza Ghalib) :-** "यहां मेरे सामने रक्त का एक विशाल सागर है" "Before me lies a vast ocean of blood"

1) **लार्ड एलफिंस्टन :- "दिल्ली का नरसंहार नादिरशाह के आक्रमण से भी भयावह था" / Lord Elphinstone: "The massacre of Delhi was more dreadful than even Nadir Shah's invasion"**

2) **कम भागीदारी :- पंजाब, बंगाल, मद्रास, कश्मीर, राजपुताना, हैदराबाद, इंदौर, ग्वालियर, बड़ौदा, भोपाल, (Limited Participation: Punjab, Bengal, Madras, Kashmir, Rajputana, Hyderabad, Indore, Gwalior, Baroda, Bhopal)**

# 2) 1857 की क्रांति : मुख्य कारण (1857: Principal Causes)

**पिछले 100 वर्षों की कंपनी की नीतियां (Company's policies over the preceding century)**

1) राजनैतिक व प्रशासनिक नीतियां / Political and Administrative Policies

2) सामाजिक और धार्मिक कारण
Social and Religious Cause

3) सैन्य कारण
(Military Reasons)

4) ब्रिटिश औपनेविशिक आर्थिक नीतियां
British Colonial Economic Policies

5) तात्कालिक कारण चर्बी वाले कारतूस
Immediate Cause : Greased Cartridges

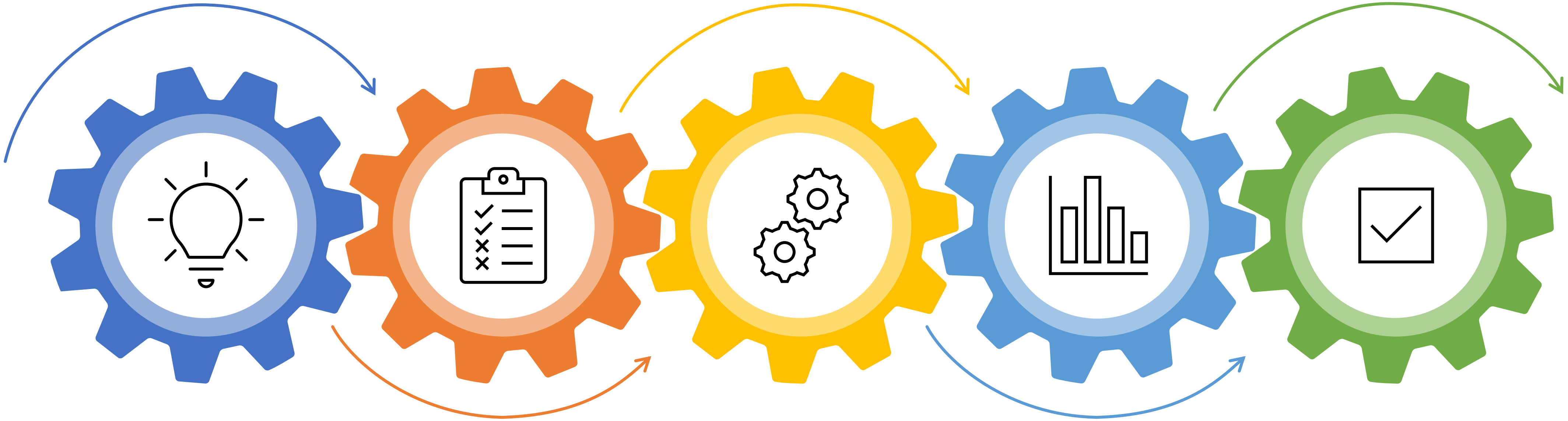

## 1) राजनैतिक व प्रशासनिक नीतियां (Political and Administrative Policies) :-

※ **ब्रिटिश साम्राग्यवादी नीतियां (British Imperialist Policies)**
- वैलेस्ली की सहायक संधि (Wellesley's Subsidiary Alliance)
- डलहौजी की व्यपगत नीति (Dalhousie's Doctrine of Lapse)
- अवध का कुशासन के आधार पर विलय (Annexation of Awadh on grounds of maladministration)
- युद्ध द्वारा विलय (Annexation through warfare)

**डलहौजी = यह चेरी एक दिन हमारे मुंह में आ गिरेगी (Dalhousie: "This cherry will fall into our mouth one day")**

※ 1852 में पेशवा बाजीराव-II के उत्तराधिकारी व **दत्तक पुत्र नाना साहेब "धुंधूपंत"** की 8 लाख वार्षिक की पेंशन बंद कर दी (In 1852, the annual pension of 8 lakh rupees of Nana Saheb "Dhondu Pant," successor and adopted son of Peshwa Baji Rao II, was discontinued. )

- ※ मुगल बादशाह बहादुर शाह जफर II का अपमान (Humiliation of Mughal Emperor Bahadur Shah Zafar II)
  - मृत्यु के बाद 'सम्राट' पद खत्म (Termination of the title 'Emperor' after his death)
  - लाल किला खाली, महरौली गाँव में रखा (Evacuation of Red Fort, relocated to Mehrauli)
  - सिक्कों पर बादशाह का निशान हटाया (Removal of the Emperor's insignia from coins)
  - 1849 में डलहौजी (लाल किला) व 1856 में कैनिंग (बादशाह से राजा) (In 1849 Dalhousie (Red Fort) and in 1856 Canning (Emperor to King)
- ※ कर्नाटक + तंजौर + सूरत उपाधियां छीन ली (Titles of Carnatic + Tanjore + Surat were confiscated)

## 2) सामाजिक और धार्मिक कारण (Social and Religious Causes)

:-

※ **रुढिवादी भारतीयों द्वारा समाज सुधार का विरोध (Opposition to social reforms by conservative Indians)**

- सती प्रथा – 1829 - विलियम बैंटिक (Sati Practice - 1829 - William Bentinck)
- नरबली – 1844 - लॉर्ड हार्डिंग प्रथम (Human Sacrifice - 1844 - Lord Hardinge I)
- कन्यावध – वेल्ज़ली - 1795 और 1804 के विनियमन (Female Infanticide - Lord Wellesley - Regulations of 1795 and 1804)
- दासप्रथा – 1843 - लॉर्ड एलेनबरो (Slavery - 1843 - Lord Ellenborough)
- विधवा विवाह - 1856 (कैनिंग) (Widow Remarriage - 1856 (Canning)

## 2) सामाजिक और धार्मिक कारण (Social and Religious Causes)

:-

※ **डलहौजी = धार्मिक निर्योग्यता अधिनियम या लेक्स लौकी अधिनियम 1850** (संख्या क्रमांक 21) / Dalhousie : Religious Disabilities Act or Lex Loci Act 1850 (Act Number 21)

⇒ धर्म परिवर्तित करने वाले व्यक्ति को पैतृक संपत्ति के अधिकार से वंचित नहीं किया जाएगा (A person converting religion shall not be deprived of rights to ancestral property)

⇒ 8 जनवरी 2018 को समाप्त (Repealed on 8 January 2018)

※ **1813 का चार्टर अधिनियम -** ईसाई मिशनरियो को भारत मे धर्म प्रचार की अनुमति मिली (Charter Act of 1813 - Christian missionaries were permitted to propagate religion in India)

○ 1845 में तिरुननवेली (मद्रास) दंगे (Tirunelveli (Madras) riots in 1845)

※ **आर. डी. मैंगल्स (EIC अध्यक्ष) =** ईश्वर ने हमें भारत का साम्राज्य इसलिए दिया है कि हम ईसा मसीह की पताका यहाँ फहरा सकें (R.D. Mangles (EIC Chairman) = "God has given us the empire of India so that we may unfurl the banner of Jesus Christ here“)

## 3) सैन्य कारण (Military Causes) :-

※ **भारतीय सैनिकों से भेदभाव (Discrimination against Indian soldiers)**

- सर्वोच्च पद - **अधिकतम सूबेदार (Highest rank - Maximum Subedar)**
- न्यूनतम वेतन - ₹ 7 प्रति माह (Minimum salary - ₹7 per month)
- वेतन व पदोन्नति में भेदभाव (Discrimination in salary and promotions)
- अपमानजनक व्यवहार व नस्लवाद (Humiliating treatment & racism)

※ **भारतीय डाकघर अधिनियम 1854 (Indian Post Office Act 1854)**

- **डलहौजी (Dalhousie)**
- सैन्य डाक पर भी शुल्क का आरोपण (Imposition of charges even on military postal services)

※ **सामान्य सेवा भर्ती Act, 1856 (General Service Enlistment Act, 1856)**

- **लार्ड कैनिंग (Lord Canning)**
- सैनिको को समुद्रपारीय यात्रा करनी होगी (Soldiers would have to undertake overseas voyages)
- धार्मिक भावना आहत (Religious sentiments wounded)

## 4) ब्रिटिश औपनेविशिक आर्थिक नीतियां :-

- ※ **भू-राजस्व व्यवस्था द्वारा कृषक शोषण**
  - ➤ स्थायी बंदोबस्त, महालवाडी व रैयतवाड़ी
  - ➤ उच्च दर, व जमींदारो व महाजनों द्वारा शोषण
- ※ कृषि का वाणिज्यीकरण
- ※ विऔद्योगीकरण व विभेदीकृत कर प्रणाली
- ※ असंतुष्ट जमींदार - 1852 में डलहौजी द्वारा निर्मित इनाम आयोग, द्वारा लगभग 20,000 जागीरों की जब्ती

## 5) तात्कालिक कारण चर्बी वाले कारतूस (एनफील्ड राइफल, बुलविच शस्त्रागार, लंदन)

- ※ **1856 में ब्राउन बेस बन्दूक** के स्थान पर सैनिकों को **नवीन एनफ़िल्ड राइफल** प्रदान की गई।।
- ※ इसमें प्रयुक्त कारतूस की गोली का बाहरी आवरण चर्बी से ग्रीस किया जाता था, जिसे राइफल में भरने से पहले मुँह से काटकर हटाना पड़ता था।
- ※ यह ग्रीस गाय और सुअर की चर्बी से निर्मित था
  - ○ हिन्दू तथा मुस्लिम—दोनों सैनिकों की धार्मिक भावनाओं को आहत किया।

## 4) ब्रिटिश औपनेविशिक आर्थिक नीतियां (British Colonial Economic Policies) :-

※ **भू-राजस्व व्यवस्था द्वारा कृषक शोषण (Exploitation of peasants through land revenue systems)**

↓

- ❖ स्थायी बंदोबस्त, महालवाडी व रैयतवाड़ी (Permanent Settlement, Mahalwari, and Ryotwari)
- ❖ उच्च दर, व जमींदारो व महाजनों द्वारा शोषण (High rates & exploitation by zamindars and moneylenders)

※ कृषि का वाणिज्यीकरण (Commercialization of agriculture)

※ विऔद्योगीकरण व विभेदीकृत कर प्रणाली (Deindustrialization and discriminatory taxation system)

※ असंतुष्ट जमींदार - 1852 में डलहौजी द्वारा निर्मित इनाम आयोग, द्वारा लगभग 20,000 जागीरों की जब्ती (Discontented landlords - Confiscation of approximately 20,000 estates by the Inam Commission established by Dalhousie in 1852)

## 5) तात्कालिक कारण चर्बी वाले कारतूस (एनफील्ड राइफल, बुलविच शस्त्रागार, लंदन) / Immediate Cause : Greased Cartridges (Enfield Rifle, Woolwich Arsenal, London)

※ **1856 में ब्राउन बेस बन्दूक** के स्थान पर सैनिकों को **नवीन एनफ़िल्ड राइफल** प्रदान की गई। (In 1856, soldiers were provided with the new Enfield rifle in place of the Brown Bess .)

※ इसमें प्रयुक्त कारतूस की गोली का बाहरी आवरण चर्बी से ग्रीस किया जाता था, जिसे राइफल में भरने से पहले मुँह से काटकर हटाना पड़ता था (The outer covering of the cartridge used in it was greased with fat, which had to be bitten off with the mouth before loading into the rifle)

※ यह ग्रीस गाय और सुअर की चर्बी से निर्मित था (This grease was made from the fat of cows and pigs)

- हिन्दू तथा मुस्लिम—दोनों सैनिकों की धार्मिक भावनाओं को आहत किया (It wounded the religious sentiments of both Hindu and Muslim soldiers.)

The Enfield rifle
A greased cartridge
How it was loaded
Paper case
Powder
Bullet
Grease
1.
2.
3.

# 3) 1857 की क्रांति : आरंभ (The Revolution of 1857)

- **23 जनवरी, 1857 = दमदम छावनी (कलकत्ता) / 23 January 1857 = Dum Dum Cantonment (Calcutta)**
  - ग्रीस लगे कारतूसों की जानकारी सबसे पहले (First information about greased cartridges)
- 26 जनवरी, 1857 = बहरामपुर (बंगाल) – 19वीं इन्फेंट्री / 26 January 1857 = Barrackpore (Bengal) - 19th Infantry
  - ग्रीस वाले कारतूस का प्रयोग करने से इनकार (Refusal to use greased cartridges)
- **29 मार्च, 1857 = बैरकपुर (बंगाल) – 34वीं नेटिव इन्फेंट्री (29 March 1857 = Barrackpore (Bengal) -- 34th Native Infantry)**
  - मंगल पांडे ने उपयोग करने से इंकार किया (Mangal Pandey refused to use them)
  - **सर्जेंट मेजर ह्यूज़न और लेफ्टिनेंट बॉघ** की हत्या (Assassination of Sergeant Major Hewson and Lieutenant Baugh)
  - मंगल पाण्डे को गिरफ्तार : हवलदार शेख पलटू (Arrest of Mangal Pandey: Havildar Sheikh Paltu)

- ∞ **8 अप्रैल 1857 = मंगल पांडे को फाँसी (8 April 1857 = Execution of Mangal Pandey)**
- ∞ 21 अप्रैल 1857 = ईश्वरी प्रसाद पाण्डे को फाँसी (21 April 1857 = Execution of Ishwari Prasad Pandey)

- ○ **24 अप्रैल 1857 =** मेरठ की घुड़सवार बटालियन के सैनिकों ने इंकार कर दिया। (24 April 1857 = Soldiers of Meerut's cavalry battalion refused)
  - ∞ 85 सैनिकों को कैद कर लिया गया (85 soldiers were imprisoned)
- ○ **10 मई 1857 (10 May 1857)**
  - ∞ मेरठ के सैनिकों ने खुला विद्रोह कर दिया (Soldiers of Meerut launched an open mutiny)
  - ∞ क्रांति की औपचारिक शुरुआत (Formal commencement of the Revolution)
- ○ **12 मई 1857 (12 May 1857)**
  - ∞ दिल्ली पूर्ण रूप से सैनिकों के नियंत्रण में आ गई (Delhi came completely under the control of soldiers)

- ○ **31 मई 1857 — क्रांति की प्रस्तावित तिथि (31 May 1857 - Proposed date of the Revolution)**
- ○ **नाना साहब और अजीमुल्ला खां ने बिठूर में योजनाबद्ध किया था (Nana Saheb and Azimullah Khan had planned it systematically in Bithoor)**

# 4) क्रांति का प्रसार (Spread of Revolution)

- दिल्ली (Delhi)
- अवध (Awadh)
  - लखनऊ (Lucknow)
  - बिजौंसर (Bijnaur)
  - बरेली (Bareilly)
  - बुलंदशहर (Bulandshahr)
  - कानपुर (Kanpur)
- झांसी (Jhansi)
- इलाहबाद (Allahabad)
- अन्य (Others)

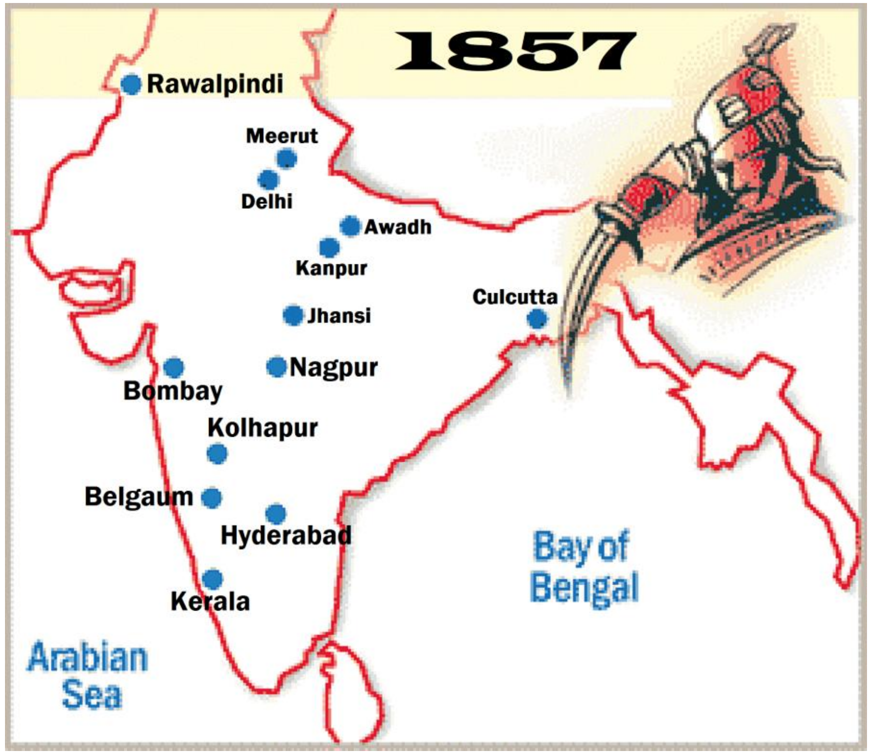

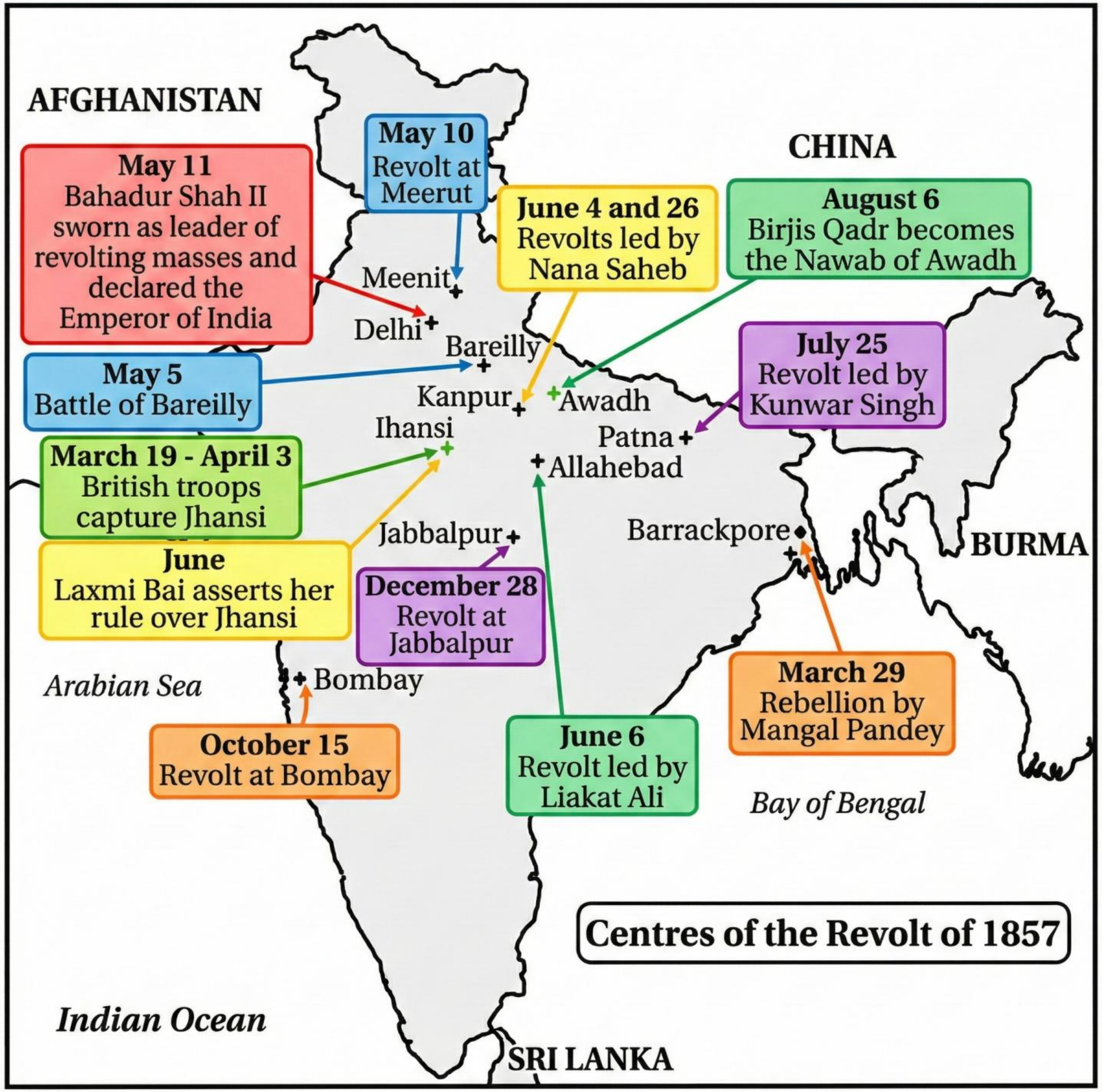

AFGHANISTAN
CHINA
BURMA
SRI LANKA
Arabian Sea
Indian Ocean
Bay of Bengal
May 10 Revolt at Meerut
May 11 Bahadur Shah II sworn as leader of revolting masses and declared the Emperor of India
June 4 and 26 Revolts led by Nana Saheb
August 6 Birjis Qadr becomes the Nawab of Awadh
July 25 Revolt led by Kunwar Singh
May 5 Battle of Bareilly
March 19 - April 3 British troops capture Jhansi
June Laxmi Bai asserts her rule over Jhansi
December 28 Revolt at Jabbalpur
October 15 Revolt at Bombay
June 6 Revolt led by Liakat Ali
March 29 Rebellion by Mangal Pandey
Meenit
Delhi
Bareilly
Kanpur
Awadh
Ihansi
Patna
Allahebad
Jabbalpur
Barrackpore
Bombay
Centres of the Revolt of 1857

| प्रमुख स्थल एवं नेता | | | |
|---|---|---|---|
| अवधि | विद्रोह केंद्र | नेता | विद्रोह दमन |
| 11 मई, 1857-20 सितंबर, 1858ई | दिल्ली | बहादुरशाह द्वितीय | निकोलसन, हडसन लारेंस |
| 4 जून, 1857-1 मार्च, 1858 ई | लखनऊ | बेगम हजरत महल | कॉलिन कैम्पबेल, हेवलॉक, आउट्रम |
| 5 जून, 1857- 15 मार्च, 1858 ई | कानपुर | नाना साहब | कॉलिन कैम्पबेल, हैवलॉक |
| 5 जून, 1857 - 4 अप्रैल, 1858 ई | झांसी | रानी लक्ष्मीबाई | जनरल ह्युरोज |
| 20 जून, 1857 - 10 जून 1858 ई | इलाहाबाद | लियाकत अली | कर्नल नील |
| 2 जुलाई 1857 - 15 जून 1858 ई | बनारस | सेना, जनसाधारण | कर्नल नील |
| 15 जुलाई 1857 - 20 जून, 1858 ई | जगदीशपुर,बिहार | कुंवर सिंह | विलियम टेलर, विंसेट आयर |
| 20 जुलाई 1857 - 20 जून, 1858 ई | पंजाब सेना | जनसाधारण | जान लारेंस |
| जून, 1857 | फतेहपुर | अजीमुल्ला | रेनर्ड एवं कैम्पबेल |
| जून, 1857 | फैजाबाद | मौलवी अहमद उल्ला (डंका शाह) | जनरल रेनॉर्ड |
| जून, 1857 | बरेली | खान बहादुर खां, बख्त खाँ | विंसेट आयर, कैम्पबेल |

| Principal Centers and Leaders | | | |
|---|---|---|---|
| **Duration** | **Center** | **Leader** | **Suppression by** |
| May 11, 1857 - Sep 20, 1858 | Delhi | Bahadur Shah II | Nicholson, Hudson, Lawrence |
| June 4, 1857 - March 1, 1858 | Lucknow | Begum Hazrat Mahal | Colin Campbell, Havelock |
| June 5, 1857 - March 15, 1858 | Kanpur | Nana Sahib | Colin Campbell, Havelock |
| June 5, 1857 - April 4, 1858 | Jhansi | Rani Lakshmibai | General Hughrose |
| June 20, 1857 - June 10, 1858 | Allahabad | Liaquat Ali | Colonel Neill |
| July 2, 1857 - June 15, 1858 | Banaras | Army, Common people | Colonel Neill |
| July 15, 1857 - June 20, 1858 | Jagdishpur, Bihar | Kunwar Singh | William Taylor, Vincent Eyre |
| July 20, 1857 - June 20, 1858 | Punjab Army | Common people | John Lawrence |
| June 1857 | Fatehpur | Azimullah | Renard and Campbell |
| June 1857 | Faizabad | Maulvi Ahmadullah डंका शाह | General Renard |
| June 1857 | Bareilly | Khan Bahadur Khan, Bakht | Vincent Eyre, Campbell |

1) **फैजाबाद में मौलवी अहमद उल्ला ने भी जून 1857** में विद्रोह की अगवानी की। उन्होंने विभिन्न धर्मानुयायियों को जेहाद के नाम पर एकत्रित करने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि "सारे लोग अंग्रेज काफिर के विरूद्ध खड़े हो जाओ और उन्हें भारत से बाहर खदेड़ दो।" (In Faizabad, Maulvi Ahmadullah also led the rebellion in June 1857. He attempted to unite followers of various religions in the name of Jihad. He proclaimed, "Let all people rise against the English infidels and drive them out of India.“)

- **अहमदउल्ला** की कार्यवाहियों से त्रस्त होकर **अंग्रेजों ने उस पर 50,000 रू0 का नकद इनाम** घोषित कर दिया था फिर भी वे उसको जीवित न पकड़ सके (Distressed by Ahmadullah's actions, the British announced a cash reward of 50,000 rupees on him, yet they could not capture him alive.)
- **जनरल रेनार्ड ने 5 जून 1858** को विद्रोह को कुचल दिया और अहमदउल्ला को रूहेलखण्ड की सीमा पर पोवायाँ में गोली मार दी गयी (General Renard crushed the rebellion on June 5, 1858, and Ahmadullah was shot at Powayan on the Rohilkhand border. )

1) **रूहेलखण्ड (बरेली) में खान बहादुर खान (बख्त खाँ)** ने मोर्चा संभाला और शीघ्र ही समस्त रूहेलखण्ड विद्रोह की अग्नि में जल उठा, परन्तु **1858 में विंसेट आयर व कैम्पबेल** ने,इस विद्रोह को दबा दिया और बहादुर खान को फांसी दे दी गयी। (In Rohilkhand (Bareilly), Khan Bahadur Khan (Bakht Khan) assumed command, and soon the entire Rohilkhand was engulfed in the flames of rebellion. However, in 1858, Vincent Eyre and Campbell suppressed this rebellion, and Bahadur Khan was hanged.)

2) **मन्दसौर (म.प्र.) में मुगल घराने के शहजादे फिरोजशाह** ने विद्रोह का नेतृत्व किया किंतु बाद में इन्हें रंगून निर्वासित कर दिया गया, जहां पर इनकी मृत्यु हो गयी (In Mandsaur (Madhya Pradesh), Prince Firoz Shah of the Mughal dynasty led the rebellion, but was subsequently exiled to Rangoon, where he died. )

# A) दिल्ली

1) 12 मई 1857 → **क्रांतिकारियों का अधिकार**

2) बहादुर शाह जफर II (82 वर्ष) → सम्राट (अनिच्छुक)

3) सेनापति व 10 सदस्य **समिति प्रमुख - बख्त खां** →
- अवध तोपखाना
- **बरेली में क्रांति**
- उपाधि : **साहिब ए आलम**

4) पुनः अंग्रेजी अधिकार - **20 सितंबर 1857 : लॉर्ड कैनिंग** →
- **मेजर विलियम हडसन**
- **निकलसन (मारा गया)**

- ► जफर से विश्वासघात - इलाही बख्श
- ► हडसन : हुमायूं किले से जफर व जीनत महल की गिरफ्तारी
- ► हडसन : **शहजादा मिर्जा मुगल, ख्वाजा सुल्तान तथा पौत्र अबुब्रक** को लाल किले के सामने गो
- ► जज हरिएट की अदालत - 1858 में उन्हें रंगून भेज दिया गया, जहाँ 7 नवम्बर 1862 को उनका निधन हुआ।

- ○ **मिर्ज़ा ग़ालिब (दस्तंबू) = "मेरे सामने रक्त का समंदर था, पता नहीं मुझे और क्या-क्या देखना बाकी है।"**
- ○ **बंबई के गवर्नर एल्फिंस्टन ने कहा कि हडसन की यह क्रूरता "नादिरशाह की बर्बरता जैसी" है।**

# A) Delhi

1) May 12, 1857 → Revolutionaries seized control

2) Bahadur Shah Zafar II (82 years old) → Emperor (reluctant)

3) Commander and Chief of the 10-member committee - Bakht Khan
   - Awadh Artillery
   - Revolution in Bareilly
   - Title: Sahib-e-Alam

- Mirza Ghalib (Dastambu): "Before me was an ocean of blood; I know not what more remains for me to witness."
- The Governor of Bombay, Elphinstone, remarked that Hudson's cruelty was "akin to the barbarism of Nadir Shah."

1) British authority restored - September 20, 1857 : Lord Canning
   - Major William Hudson
   - Nicholson (killed)

- Betrayal of Zafar - Ilahi Bakhsh
- Hudson: Arrest of Zafar and Zinat Mahal from Humayun's Tomb
- Hudson: Shot Prince Mirza Mughal, Khwaja Sultan, and grandson Abu Bakr in front of the Red Fort
- Judge Harriett's court - In 1858, he was sent to Rangoon, where he died on November 7, 1862.

## B) लखनऊ

## JAMES OUTRAM REPORT 1856

1) वाजिद अली शाह (अख्तर पिया : 1847-1856) = 'कुशासन' का आरोप लगाकर अवध का विलय

2) **30 जून 1857 = चिलहट / चिनहट की लड़ाई** = हेनरी लॉरेन्स की मृत्यु
   - **1857 में क्रांतिकारियों** की सबसे **सुनियोजित और निर्णायक विजय**
   - बरकत अहमद अली खाँ, अहमदुल्ला खाँ ने पराजित किया।

3) 4 अगस्त 1857 = बेगम हजरत महल (महक परी) ने नाबालिग पुत्र बिरजिस कद्र (रमजान अली) को 'वली' घोषित कर स्वयं क्रान्ति का नेतृत्व संभाला।

4) सेनापति कैंपबेल (नवम्बर, 1857) = हैवलॉक व आउट्रम को मुक्त करवाया
   - मार्च, 1858 को अवध पर पुनः कब्जा।

5) बेगम हजरत महल : नेपाल में 1879 में निधन

# B) Lucknow

**JAMES OUTRAM REPORT 1856**

1) Wajid Ali Shah (Akhtar Piya: 1847-1856) - Annexation of Awadh on charges of 'misgovernance'
2) **June 30, 1857 = - Battle of Chinhat/Chinhut** = Death of Henry Lawrence
   - The most well-planned and decisive victory of the revolutionaries in 1857
   - Defeated by Barkat Ahmad Ali Khan and Ahmadullah Khan.
3) August 4, 1857 - Begum Hazrat Mahal (Mahak Pari) declared her minor son Birjis Qadr (Ramzan Ali) as 'Wali' and herself assumed leadership of the revolution.
4) Commander Campbell (November 1857) - Liberated Havelock and Outram
   - Awadh was recaptured in March 1858.
5) Begum Hazrat Mahal: Died in Nepal in 1879

## C) कानपुर (5 जून 1857)

1) **नाना साहब - पेशवा बाजीराव द्वितीय के दत्तक पुत्र**
   - **तात्या टोपे (सेनापति), वकील अजीमुल्ला (क्रांति दूत)**
2) 25 जून 1857 – जनरल ह्यूग व्हीलर का आत्मसमर्पण
3) 25 जून को कमांडर व्हीलर ने इस शर्त पर आत्मसमर्पण किया कि " उसे सुरक्षित इलाहबाद छोड़ दिया जाएगा ।
   - जून 1857 = सत्ती चौरा घाट पर 150 अंग्रेज की हत्या।
   - नाना साहब पर एक लाख का इनाम
4) 06 दिसम्बर, 1857 = कॉलिन कैंपबेल ने पुनः कानपुर पर
   - **अजीजान बाई (वैश्या) = क्रांतिकारियों की सहायक**
5) नाना साहब नेपाल चले गये

## D) झाँसी में क्रान्ति

1) **रानी लक्ष्मीबाई = मणिकर्णिका (मनुबाई)**
   - जन्म :- वाराणसी, 1828
   - पति :- गंगाधरराव निबालकर (1842)
   - दत्तक पुत्र :- दामोदर राव
   - नाना साहब - छबीली बहन
2) **कारण :-** डलहौजी द्वारा हड़प नीति
3) **कालपी (२३ मई 1858, UP) =** ह्यूरोज से पराजित
4) **18 जून, 1858 (ग्वालियर) = निधन**
5) सहायक = **रामचंद्र पांडुरंग (तात्या टोपे), पूरन कोरी की पत्नी छलकारी बाई, गंदरा व काशी**
6) **ह्यूरोज :-** विद्रोहियों में एकमात्र मर्द झांसी की रानी थी

## C) Kanpur (June 5, 1857)

1) Nana Sahib - Adopted son of Peshwa Baji Rao II
   - Tatya Tope (Commander), Vakil Azimullah (Revolutionary emissary)
2) June 25, 1857 - General Hugh Wheeler's surrender
3) On June 25, Commander Wheeler surrendered on the condition that "he would be safely escorted to Allahabad."
   - June 1857 - Massacre of 150 British at Satichaura Ghat.
   - A reward of one lakh rupees on Nana Sahib
4) December 6, 1857 - Colin Campbell recaptured Kanpur
   - Azizan Bai (courtesan) - Aided the Revolutionary
5) Nana Sahib went to Nepal

## D) Jhansi Rebellion

1) Rani Lakshmibai = Manikarnika (Manu Bai)
   - Birth: Varanasi, 1828
   - Husband: Gangadhar Rao Newalkar (1842)
   - Adopted son: Damodar Rao
   - Nana Sahib - Chhabili Bahan (sister)
2) Cause :- Dalhousie's Doctrine of Lapse
3) Kalpi (May 23, 1858, UP) = Defeated by Hugh Rose
4) June 18, 1858 (Gwalior) = Death
5) Associates = **Ramchandra Pandurang (Tatya Tope), Jhalkari Bai (wife of Puran Kori), Gundara and Kashi**
6) Hugh Rose :- "The Rani of Jhansi was the only man among the rebels"

# तात्या टोपे

- सुभद्रा कुमारी चौहान कविता "खूब लड़ी मर्दानी"
- वृंदावन लाल उपन्यास : 'झाँसी की रानी'
- झाँसी के तोपची गुलाम गौस ने झाँसी की तोप 'घनगर्ज' (घनघोर/घनगर्जन) से अंग्रेजी सेना को बहुत बड़ी क्षति पहुँचाई।
- ग्वालियर में उस समय जायाजीराव सिंधिया का शासन था, जो कि राजभक्त (अंग्रेज-समर्थक) था।

1) 1857 की क्रांति के अग्रणी वीर व नाना साहब के सेनापति
2) **जन्म :-** 1814, नासिक
3) **मूल नाम :-** रामचन्द्र पांडुरंग
4) ईस्ट इंडिया कंपनी की बंगाल शाखा में तोपची
5) झांसी की रानी की सहायता करके ग्वालियर पर अधिकार
6) ग्वालियर के शासक जयाजी राव सिंधिया तथा ह्यूरोज द्वारा विद्रोह का दमन
7) छापामार युद्ध प्रणाली
8) अंग्रेजों द्वारा 50 हज़ार का इनाम
9) मानसिंह द्वारा विश्वासघात
10) **18 अप्रैल 1859 :-** शिवपुरी में तात्या टोपे को फांसी

# Tatya Tope

- **Subhadra Kumari Chauhan's poem "Khoob Ladi Mardani"**
- **Vrindavan Lal's novel: 'Jhansi Ki Rani'**
- **Jhansi's gunner Ghulam Ghaus inflicted heavy damage on the British army with Jhansi's cannon 'Ghanghar' (also known as Ghanghor/Ghangarjan).**
- **At that time, Jayajirao Scindia ruled Gwalior, who was a loyalist (British supporter).**

1) Pioneer hero of the 1857 Revolution and Commander of Nana Sahib
2) **Birth :-** 1814, Nashik
3) **Original name :-** Ramchandra Pandurang
4) Gunner in the Bengal branch of the East India Company
5) Captured Gwalior by assisting the Rani of Jhansi
6) Rebellion suppressed by Gwalior's ruler Jayaji Rao Scindia and Hugh Rose
7) Guerrilla warfare tactics
8) A reward of 50 thousand rupees by the British
9) Betrayed by Man Singh
10) **April 18, 1859 :** Tatya Tope was hanged at Shivpuri

# कुंवर सिंह

1) **जगदीशपुर (बिहार)** में 80 वर्षीय कुंवर सिंह द्वारा 1857 की क्रांति का नेतृत्व
2) **छापामार युद्ध प्रणाली**
3) विलियम टेलर और आयर द्वारा विद्रोह का दमन
4) **मृत्यु :- 26 अप्रैल** 1858 जगदीशपुर
5) **जन्म :-** 1777, भोजपुर (मालवा शासक भोज परमार के वंशज)

- **कुँवर सिंह अंग्रेज अधिकारियों की सहायता से अपनी जमींदारी का प्रबंध बोर्ड ऑफ रेवेन्यू को सौंपना चाहते थे।**
- **कुँवर सिंह ने सर्वप्रथम अपने जिला शाहाबाद को अंग्रेजी राज्य से मुक्त करवाया और वहाँ से आगे बढ़ते हुए आजमगढ़ जिले (उ.प्र.) में अतरौलिया पहुँचे जहाँ मिलमैन के नेतृत्व वाली अंग्रेजी सेना को हराया।**
- **कुँवर सिंह ने अपने विद्रोह का झण्डा बिहार से बाहर, मिर्जापुर, रीवा, बांदा तथा लखनऊ तक फहराया।**
- **कुँवर सिंह को पराजित करने के लिए मिलमैन व डेम्स की संयुक्त सेना भेजी गयी, परंतु वह भी पराजित हुई।**
- **पुनः कैनिंग ने मार्क के नेतृत्व में सेना भेजी। कुँवर सिंह ने इसे भी धूल चटा दिया, किंतु बांह में गोली लगने से वह घायल हो गये, गोली का जहर शरीर में न फैले इसलिए अपनी बांह को काटकर गंगा में अर्पित कर दिया**

# Kunwar Singh

1) Leadership of the 1857 Revolution by 80-year-old Kunwar Singh in **Jagdishpur (Bihar)**
2) **Guerrilla warfare tactics**
3) Rebellion suppressed by William Taylor and Eyre
4) **Death :** April 26, 1858, Jagdishpur
5) **Birth:** 1777, Bhojpur (descendant of Malwa ruler Bhoj Parmar)

- Kunwar Singh wished to hand over management of his zamindari to Board of Revenue with help of British officials.
- Kunwar Singh first liberated his district Shahabad than , reached Atraulia in Azamgarh district (U.P.) where he defeated the British army led by Millman.
- Kunwar Singh raised the flag of his rebellion beyond Bihar, extending to Mirzapur, Rewa, Banda, and Lucknow.
- A combined army of Millman and Dames was sent to defeat Kunwar Singh, but it too was defeated.
- Canning again sent an army under Mark's leadership. Kunwar Singh defeated this too, but was wounded by a bullet in his arm. To prevent the poison from spreading through his body, he severed his arm and offered it to the Ganges.

1) अन्य नेता
   - शहादत खान : इंदौर (1 जुलाई 1857)
   - रानी अवंती बाई : रामगढ़ (मध्य प्रदेश)
   - फ़ाज़िल मोहम्मद खान : भोपाल (मध्यप्रदेश)
   - बड़ौत (उ.प्र.) : शाहमल
2) मारे गए अंग्रेज अधिकारी
   - ह्यूजेसन और बॉघ: मंगल पांडे द्वारा बैरकपुर
   - ब्रिगेडियर जनरल जॉन निकोलसन: दिल्ली
   - मेजर जनरल हेनरी लॉरेंस: लखनऊ
   - मेजर जनरल नील : लखनऊ
   - कर्नल फिनिस : कानपुर
   - जनरल रेनॉल्ड्स, और मेजर हेनरी वॉकर
3) W रसेल = गोरे आदमी की गाड़ी को मित्रतापूर्ण दृष्टि से नहीं देखाता

4) भारत में एनफील्ड राइफल को ब्रिटिश सेना द्वारा दिसंबर 1856 में पुरानी ब्राउन बेस राइफल के स्थान पर शामिल किया गया था,

   4) अनुशंसा = हेनरी हार्डिंग

5) क्रांति के बाद अंग्रेजों ने सबसे पहले दिल्ली पर अधिकार किया
6) ब्रिटिश सेना में सबसे अधिक सैनिक अवध के थे
7) अंग्रेजों ने 1859 के अंत तक 1857 के विद्रोह को पूरी तरह दबा दिया था।
8) आजमगढ़ घोषणा (25 अगस्त, 1857) = ब्रिटिश शासन के अत्याचारों की निंदा

1) Other Leaders
   - Shahadat Khan: Indore (1 July 1857)
   - Rani Avanti Bai: Ramgarh (Madhya Pradesh)
   - Fazil Mohammad Khan: Bhopal (Madhya Pradesh)
   - Badaut (U.P.): Shahmal

2) British Officers Killed
   - Hugheson and Baugh: Killed by Mangal Pandey at Barrackpore
   - Brigadier General John Nicholson: Delhi
   - Major General Henry Lawrence: Lucknow
   - Major General Neill: Lucknow
   - Colonel Finnis: Kanpur
   - General Reynolds and Major Henry Walker

3) W. Russell = The white man's carriage is not viewed with a friendly eye

4) The Enfield rifle was introduced in December 1856, replacing the old Brown Bess rifle
   - Recommendation = Henry Hardinge

5) After the revolution, the British first captured Delhi

6) The British Army had the largest number of soldiers from Awadh

7) The British had completely suppressed the 1857 revolt by the end of 1859.

8) Azamgarh Proclamation (25 August, 1857) = Condemnation of British rule atrocities

SelectionWay
HISTORY
CONSTITUTION SROLL
WELCOME TO
SelectionWay GS
YouTube Channel 🚀
Subscribe now for complete GS preparation
Daily classes, PYQs & exam-oriented content
Join our Telegram Channel for PDFs, updates & free resources
With you always in your preparation journey ❤️
— Shubham Gupta Sir

# सबसे ज़्यादा Free Content देने वाला App

## क्या है खास इस App में ?

- Free + Paid Batches
- Live Tests & Full-Length Mock Tests
- Last 5 Years PYQs – PYQs - बिल्कुल Free
- Chapter-wise Smart Practice
- Daily Quiz for Consistency
- E-books & Notes PDFs Included
- Daily Current Affairs Updates
- Monthly Magazine (Exam Focused)

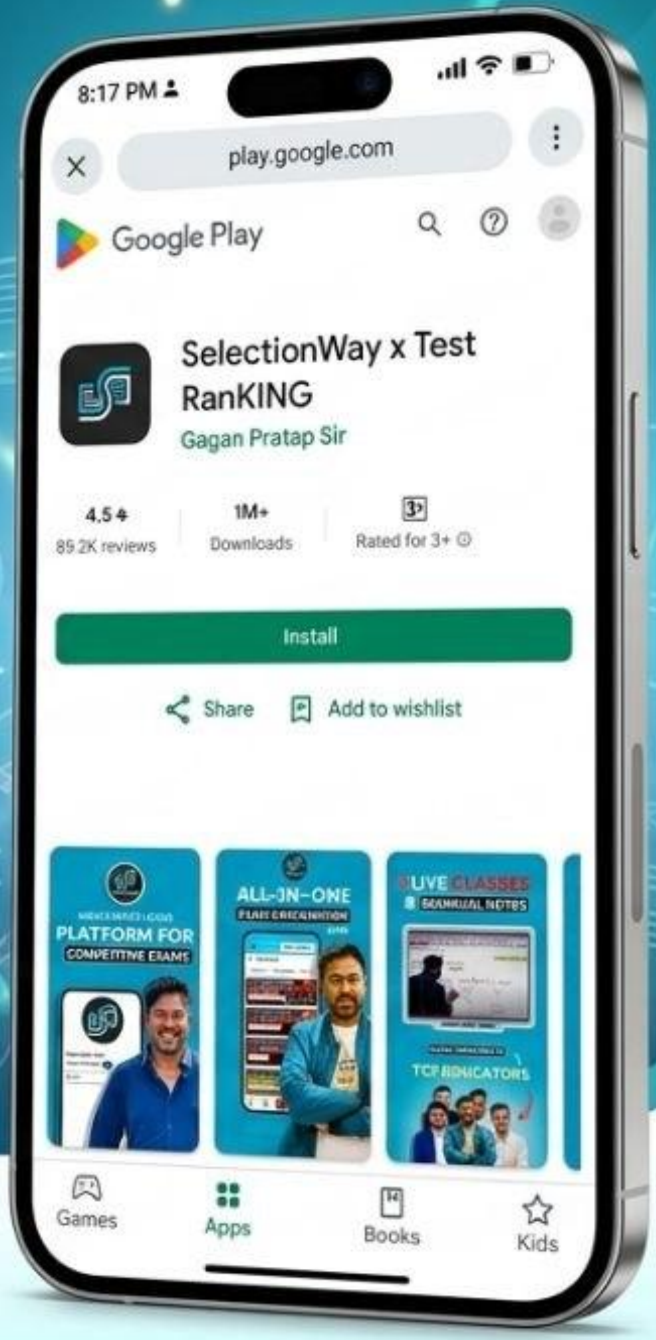


Created by:
**Gagan Pratap Sir**

DOWNLOAD NOW FROM PLAYSTORE
Google Play

अभी प्ले स्टोर से डाउनलोड करें

# 5) 1857 की क्रांति का परिणाम

1) 1 नवम्बर 1858 – महारानी विक्टोरिया की घोषणा (Queen's Proclamation) :-

∞ लॉर्ड कैनिंग ने इलाहाबाद में महारानी विक्टोरिया की घोषणा (Proclamation) सार्वजनिक रूप से पढ़कर सुनाई।

∞ महारानी विक्टोरिया = कैसर ए हिन्द की उपाधि (1876)

∞ दयालु कैनिंग = 1857 के क्रांतिकारियों के प्रति उदार नीति

∞ भेदभाव दूर करने हेतु 1861 के अधिनियम द्वारा प्रतियोगी परीक्षा का आयोजन

2) भारत सरकार अधिनियम 1858 द्वारा कंपनी शासन का अंत तथा ब्रिटिश क्राउन (रानी विक्टोरिया) शासन की शुरुआत

∞ ब्रिटेन में भारत सचिव व 15 सदस्यीय समिति का गठन

∞ गवर्नर जनरल का वायसराय के रूप में परिवर्तन

3) पील आयोग की सिफारिश पर सेना का पुनर्गठन :-

∟ भारतीयों की संख्या में कमी

∟ तोपख़ाने व महत्वपूर्ण शाखाएँ केवल अंग्रेजों के हाथ में

∟ अवध, पूर्वी उत्तर भारत, बंगाल सेना से भर्ती घटाई

∟ सिख, गोरखा तथा पठान को पुरस्कृत किया

4) अन्य प्रभाव :-

∟ देसी रियासतों के प्रति उदार नीति :- विलय नीतियों का त्याग

∟ जातीय भेदभाव व सांप्रदायिकता को बढ़ावा

∟ फूट डालो और राज करो की नीति

# 5) Consequences of the 1857 Revolution

1) **1 November 1858 - Queen Victoria's Proclamation :-**

- **Lord Canning** publicly read Queen Victoria's Proclamation in Allahabad.
- **Queen Victoria = Title of Kaiser-e-Hind (1876)**
- **Clement Canning** = Lenient policy towards the revolutionaries of 1857
- Competitive examination instituted through the Act of 1861 to eliminate discrimination

2) **Government of India Act 1858 terminated Company rule and inaugurated British Crown (Queen Victoria) governance**

- Establishment of Secretary of State for India and a 15-member council in Britain
- Transformation of Governor-General into Viceroy
  - **First Viceroy - Lord Canning (Representative of Crown)**

3) **Reorganization of the Army based on Peel Commission's recommendations :-**

- Reduction in number of Indian soldiers
- Artillery and crucial divisions exclusively under British control
- Recruitment decreased from Awadh, Eastern Upper India, and Bengal Army
- Sikhs, Gurkhas, and Pathans were rewarded

4) **Other Consequences :-**

- Liberal policy towards princely states - abandonment of annexation policies
- Racial discrimination and communalism
- Divide and rule policy
- Policy of non-interference in socio-religious life
- End of the Mughal Emperor in India

# 6) असफलता के कारण

1) सांझा राष्ट्रीय उद्देश्य के स्थान पर निजी उद्देश्य
2) मजबूत केंद्रीय संगठन का अभाव
3) क्रांति में निश्चित योजना का अभाव - विद्रोह 31 मई 1857 को आरंभ होना था, किंतु 10 मई को ही हो गया
4) **कुशल नेतृत्व का अभाव**
5) **देसी रियासतों व सामंतों का ब्रिटिश शासन को समर्थन :-**
   - सिंधिया (ग्वालियर), होल्कर (इंदौर), हैदराबाद का निज़ाम, पटियाला ।
   - "गुलाब सिंह ने आदेश दिया कि कश्मीर में कोई भी क्रांतिकारी दिखे तो गोली मार दो"
   - **कैनिंग :-** **"यदि सिंधिया भी विद्रोह में सम्मिलित हो जाए तो मुझे कल ही भारत छोड़ना पड़ेगा"**

4) **आधुनिक हथियार व प्रौद्योगिकी का अभाव :-**
   - **नाना साहब - "यह नीली टोपी वाली राईफ़ल तो गोली चलने से पहले मार देती है"।**
   - आवागमन व संचार के साधनों पर अंग्रेजों का अधिकार
   - आर्थिक व रसद (logistics) की कमजोरी

5) **निम्नलिखित वर्गों का समर्थन नहीं :-**
   - साहूकार तथा व्यापारिक
   - बंगाल के ज़मींदार
   - शिक्षित वर्ग

# 6) Causes of Failure

1) Personal objectives instead of shared national purpose
2) Absence of robust central organization
3) Lack of definite plan in the revolution - the revolt was scheduled to commence on 31 May 1857, but erupted on 10 May itself
4) **Absence of competent leadership**
5) **Support of princely states and feudal lords to British rule :-**
   - Scindia (Gwalior), Holkar (Indore), Nizam of Hyderabad, Patiala.
   - "Gulab Singh issued orders that any revolutionary appearing in Kashmir should be shot"
   - **Canning :-** **“"If Scindia also joins the rebellion, I shall have to leave India tomorrow”**
4) **Lack of modern weaponry and technology :-**
   - **Nana Saheb - "This blue-capped rifle kills before the bullet is even fired.“**
   - British control over transportation and communication systems
   - Economic and logistical weaknesses
5) **Lack of support from the following classes :-**
   - Moneylenders and mercantile community
   - Zamindars of Bengal
   - Educated class
   - Middle class

# 7) 1857 की क्रांति : स्वरूप

| | |
|---|---|
| **सैनिक स्वरूप** | ○ सर जॉन सीले = "राष्ट्रभक्ति रहित, स्वार्थी सैनिक विद्रोह, जिसमें स्थानीय नेतृत्व का अभाव था"<br>○ चार्ल्स रेक्स = विद्रोह का प्रारम्भ सैनिक विद्रोह के रूप में हुआ"<br>○ J. W. केयी = "सिपाही विद्रोह (Mutiny)"<br>○ पी. रॉबर्टसन = "सिपाही विद्रोह था जिसका तात्कालिक कारण चर्बी वाले कारतूस थे।" |
| **धार्मिक स्वरूप** | ○ L.E.R. रोज़ = "ईसाइयों के विरुद्ध धर्मान्धों का युद्ध"<br>○ टी.आर. होम्स = "सभ्यता और बर्बरता के बीच संघर्ष"<br>○ जॉन केयी = "श्वेतों के विरुद्ध काले लोगों का संघर्ष"<br>○ जी.बी. मॉलेसन और टेलर = "हिन्दू और मुस्लिमों के संयुक्त प्रयास का विद्रोह" |
| **सामन्ती स्वरूप** | ○ पर्सिवल स्पीयर = "रजवाड़ों द्वारा पुरातन व्यवस्था को पुनः स्थापित करने का अंतिम प्रयास"<br>○ पं. जवाहरलाल नेहरू = स्थानीय सामंतों का नेतृत्व वाला विद्रोह था, |

# 7) Nature of the 1857 Revolution

| | |
|---|---|
| Military Character | ○ Sir John Seeley = "An unpatriotic, selfish military mutiny lacking local leadership"<br>○ Charles Raikes = "The rebellion commenced as a military mutiny"<br>○ J. W. Kaye = "Sepoy Mutiny"<br>○ P. Robertson = "It was a sepoy mutiny whose immediate cause was the greased cartridges." |
| Religious Character | ○ L.E.R. Reese = "War of religious fanatics against Christians"<br>○ T.R. Holmes = "Conflict between civilization and barbarism"<br>○ John Kaye = "Struggle of coloured people against whites"<br>○ G.B. Malleson and Taylor = "Rebellion of joint Hindu-Muslim efforts" |
| Feudal Character | ○ Percival Spear = "Final attempt by princely states to restore the archaic order"<br>○ Pandit Jawaharlal Nehru = It was a rebellion led by local feudal lords |

| | |
|---|---|
| **राष्ट्रीय स्वरूप** | ○ बैजामिन डिजरायली :- यह केवल सैन्य विद्रोह नहीं था, इसकी गहरी राष्ट्रीय पृष्ठभूमि थी।<br>○ अर्नेस्ट जॉन्स :- औपनिवेशिक शोषण के विरुद्ध बिल्कुल उचित, वैध और आवश्यक था।<br>○ अशोक मेहता व कार्ल मार्क्स :- राष्ट्रीय क्रान्ति |
| **भारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम** | ○ **विनायक दामोदर सावरकर (पुस्तक - द इंडियन वॉर ऑफ इंडिपेंडेंस, 1909 में मराठी भाषा)**<br>❖ ब्रिटिश प्रतिबंध के बावजूद यह पुस्तक भारत में गुप्त रूप से पहुँचाई गई।<br>❖ अनुवाद = M.P.T. आचार्य और मैडम भीकाजी कामा<br>○ समर्थक :- पट्टाभि सीतारमैया, डॉ एस एन सेन<br>○ **डॉ एस एन सेन - राष्ट्रीयता के अभाव में भी भारतीय स्वतंत्रता संग्राम**<br>○ **आर सी मजूमदार : "यह तथाकथित प्रथम राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम न तो प्रथम था, न राष्ट्रीय, न ही स्वतंत्रता संग्राम।**<br>○ शशि भूषण चौधरी के = पहला स्वतंत्रता संग्राम, जिसे जनता ने आरंभ किया और सेना ने इसे आगे बढ़ाया।” |

| | |
|---|---|
| National Character | ○ Benjamin Disraeli: It was not merely a military rebellion, it had profound national underpinnings.<br>○ Ernest Jones: It was absolutely justified, legitimate and necessary against colonial exploitation.<br>○ Ashok Mehta and Karl Marx: National Revolution |
| India's First War of Independence | ○ Vinayak Damodar Savarkar (Book - The Indian War of Independence, 1909 in Marathi language)<br>❖ Despite British prohibition, this book was clandestinely delivered to India.<br>❖ Translation = M.P.T. Acharya and Madam Bhikaji Cama<br>○ Supporters: Pattabhi Sitaramayya, Dr. S.N. Sen<br>○ **Dr. S.N. Sen - Indian War of Independence despite absence of nationalism**<br>○ **R.C. Majumdar: "This so-called First National War of Independence was neither first, nor national, nor a war of independence."**<br>○ Shashi Bhushan Chaudhary = First war of independence, which was initiated by the people and advanced by the army." |